मूर्ख कछुआ

बहुत समय पहले की बात है। एक कछुआ था, जो किसी गांव में एक तालाब में रहता था। उसकी मित्रता दो बगुलों से थी। तीनों दोस्त एक साथ खूब मज़ा किया करते थे।

एक बार उनके गांव में बारिश नहीं हुई, जिस कारण वहां भयंकर सूखा पड़ा। नदी व तालाब सूखने लगे, खेत मुरझा गये। आदमी व पशु-पक्षी सब प्यास से मरने लगे। वह सब अपनी जान बचाने के लिये गावं छोड़कर दूसरे स्थानों पर जाने लगे।

बगुलों ने भी अन्य पक्षियों के साथ दूसरे जगह जाने का फैसला लिया। जाने से पूर्व वह अपने मित्र कछुए से मिलने गये। उनके जाने की बात सुनकर कछुए ने उनसे उसे भी अपने साथ ले चलने के लिए कहा। इस पर बगुलों ने कहा कि वह भी उसे वहां छोड़कर नहीं जाना चहाते, परन्तु मुशकिल यह है कि कछुआ उड़ नहीं सकता और वह उड़ कर कहीं भी जा सकते है।

उनकी बात सुनकर कछुआ बोला, कि यह सच है कि वह उड़ नहीं सकता। परन्तु उसके पास इस समस्या का हल है। कछुए की बात सुनकर बगुलों ने उससे तरीका पूछा।

कछुआ बोला, " तुम एक मज़बूत ड़डी ले आओ। उस ड़डी के दोनो कोनों को तुम अपनी-अपनी चोंच से पकड़ लेना और मैं उस ड़डी को बीच में से पकड़कर लटक जाऊंगा। इस प्रकार मैं भी तुम्हारे साथ जा सकूँगा और हम अपनी जान बचा सकेंगे।"

बगुलों को कछुए की बात पसंद आ गई और वह वहां से चलने की तैयारी करने लगे। चलने से पहले बगुलों ने कछुए को सावधान किया कि वह उसे साथ ले तो जा रहे है परन्तु हमारी एक शर्त कि तुम सारे रास्ते अपना मुहं नहीं खोलोगे। कछुए को बहुत बात करने की आदत थी। उसके लिये चुप रहना बहुत मुशकिल कार्य था। बगुले कछुए से आगे बोले, " यदि तुमने गलती से भी मुँह खोला तो तुम नीचे गिरकर मर जाओगे।"
इस पर कछुआ बोला, कि " मैं कभी भी ऐसी मूर्खता नहीं करूंगा।"

बगुलों ने ड़डी के दोनों किनारो को अपनी-अपनी चोंच में दबा लिया। कछुआ ड़डी को अपने मुंह से पकड़ कर बीच में लटक गया और बगुले उसे लेकर उड़ने लगे।

वह तीनों आकाश में ऊंचे उड़ते गये। काफी समय तक उड़ने के बाद वह एक नगर के ऊपर से निकल रहे थे तो उनको देखने के लिये सड़को पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी ने भी ऐसा नज़ारा पहले कभी नही देखा था। वह लोग जोर-जोर से ताली बजाने और शोर मचाने लगे।

लोगों को इस तरह से शोर मचाते व ताली बजाते देख कछुए को बहुत क्रोध आया। उससे बिना बोले नहीं रहा गया। वह बगुलों द्धारा चुप रहने की बात भूल गया और जैसे ही कछुए ने बोलने के लिये मुंह खोला, वह धड़ाम से नीचे जा गिरा और मर गया।

समाप्त

अभ्यास कार्य

प्र. (1) नीचे दिये गए रिक्त स्थानों को कहानी की मदद से भरो–

1. उसकी मित्रता ..... से थी।

2. उनके गाँव में ..... नहीं हुई जिसके कारण गाँव में .....
..... पड़ गया।

3. चलने से पहले बगुलों ने ..... को सावधान किया ।

4. कछुए को बहुत ..... करने की आदत थी।

5. बगुलों ने ..... के दोनों किनारों को अपनी–अपनी.....
में दबा लिया।

6. लोग जोर–जोर से ..... लगे और .....
..... लगे।

प्र. (2) कछुए की मित्रता किन से थी?

.....
.....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.
के.वि. अनन्तनाग